जीवन परिचय-

- **जन्म-**
    - 5 अप्रैल 1588 ईसवी
    - इंग्लैंड के दक्षिण तट पर स्थित मेल्सबरी नगर (वेस्टपोर्ट) में

- हॉब्स के जन्म के समय इंग्लैंड और स्पेन के मध्य **'आर्मेडा का युद्ध'** हो रहा था| भय से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक माहौल में हॉब्स की मां ने समय पूर्व बच्चे को जन्म दिया था|
- इस संबंध में **हॉब्स का कथन** है कि "आर्मेडा युद्ध के वर्ष में उनकी जननी ने 2 जुड़वाओ को जन्म दिया भय तथा उनको|"
- बाल्यकाल से हॉब्स **अध्ययनशील एवं अनुशासित स्वभाव** का था, किंतु **डरपोक** था|
- हॉब्स की **प्रारंभिक शिक्षा मेल्सबरी** में हुई| **ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय** से उसने स्नातक की उपाधि ग्रहण की|
- 1608 में इंग्लैंड के केवेंडिश नामक एक संभ्रांत कुल के **विलियम केवेंडिश** का शिक्षक नियुक्त हुआ|
- 1628 में हॉब्स **सर क्लिंटन** के पुत्र का अध्यापक नियुक्त हुआ|
- इंग्लैंड के गृहयुद्ध के समय हॉब्स इंग्लैंड से भागकर फ्रांस चला गया क्योंकि उन्होंने राजतंत्र केसमर्थन में लिखा था तथा वहां उसने चार्ल्स द्वितीय को गणित की शिक्षा प्रदान की|

प्यूरिटन क्रांति-

- इंग्लैंड के गृहयुद्ध को **प्यूरिटन क्रांति** कहा जाता है, जो 1642 से 1649 तक चला था|
- यह गृहयुद्ध **संसद समर्थकों** Round-heads (जिनका नेता क्रामवेल था) तथा राजतंत्र समर्थकों Cavaliers (जिनका नेता तात्कालिक ब्रिटिश सम्राट चार्ल्स प्रथम था) के मध्य हुआ था| संसद समर्थकों की इस युद्ध में विजय हुई तथा चार्ल्स प्रथम को फांसी दे दी गई|

प्यूरिटन आंदोलन -

- ब्रिटेन में 16-17 वी सदी में चला **ईसाई धर्म में सुधार आंदोलन** था| जो ईसाई धर्म की प्रोटेस्टेंट शाखा से संबंधित था| इस आंदोलन के समर्थक रोमन कैथोलिक शाखा की **धार्मिक रूढ़ियों व परंपराओं** के विरोधी थे| ये ब्रिटेन में **गणतंत्र के समर्थक** थे|

प्यूरिटन आंदोलन -

- ब्रिटेन में 16-17 वी सदी में चला **ईसाई धर्म में सुधार आंदोलन** था| जो ईसाई धर्म की प्रोटेस्टेंट शाखा से संबंधित था| इस आंदोलन के समर्थक रोमन कैथोलिक शाखा की **धार्मिक रूढ़ियों व परंपराओं** के विरोधी थे| ये ब्रिटेन में **गणतंत्र के समर्थक** थे|

- फ्रांस में ही अपना सुप्रसिद्ध ग्रंथ **लेवियाथान** लिखा था, जिसका प्रकाशन 1651 में हुआ था|
- 1652 ईसवी में इंग्लैंड वापस आ गया|
- 1679 ईसवी में करीब 91वर्ष की आयु में हॉब्स की मृत्यु हो गई |
- हॉब्स ने **राज्यशास्त्र, समाजशास्त्र, गणित, दर्शनशास्त्र** आदि का गहन अध्ययन किया|

रचनाएं-

हॉब्स के द्वारा रचित प्रमुख ग्रंथ निम्न है-

1. **थ्यूसिडाइडस (1630)-**
    - इसमें **एथेंस का इतिहास** है|

2. **डी सीवे (De Cive) 1642 ई.-**
    - इस ग्रंथ में **संप्रभुता की परिभाषा और उसका स्पष्टीकरण** किया गया है|
    - इस ग्रंथ में हॉब्स ने प्राकृतिक अवस्था के बारे में सर्वप्रथम कहा था, कि '**यह सभी का सबके खिलाफ संघर्ष की अवस्था**' थी|
    - **Philosophical Rudiments Concerning Government and Society** के शीर्षक से हॉब्स ने **डी सीवे** को बाद में अंग्रेजी में अनुवाद कर छपवाया|

    - Note- फ्रांस प्रवास के दौरान हॉब्स ने अपनी महान रचना **(Magnum opus)** लिखने की योजना तैयार की थी| इस योजना में क्रमश: तीन विषयों पर लिखना था- **पदार्थ व शरीर, मानव स्वभाव, समाज का निर्माण व नागरिक**, किंतु ब्रिटेन में गृहयुद्ध छिड़ जाने के कारण उन्होंने सबसे पहले तीसरा भाग लिखा **डी सीवे** 1642 के नाम से फिर क्रमश: निम्न लिखी- डी कारपोरे (De Corpore) 1655, डी होमिनी (De homine)-1659

3. **डी कारपोरे (De Corpore) 1655 ई.-**

- इसमें **प्रकृति व प्राकृतिकअवस्था का विवेचन** है|
- इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि **जनता को संप्रभु शासक का विरोध क्यों नहीं करना चाहिए**?
- इसमें हॉब्स ने लिखा है **"ज्ञान का अंत शक्ति है|"**
- इसमें **हॉब्स** ने तर्क दिया है कि विज्ञान का कार्य विभिन्न प्रकार की शारीरिक गतियों को समझाना है| प्रत्येक मनुष्य का शरीर घड़ी की तरह एक जटिल यंत्र है, जिसमें हृदय स्प्रिंग है, नसे तार हैं, जोड़ टायर है जो गति देते हैं| इंद्रिया बाहरी संवेदनाओं से प्रभावित हो गति करती है| जो गतियां व संवेदनाएं आनंद देती है, वे **Felicity (सुखदायक)** कहलाती है तथा जो दर्द देती हैं वे **Evil (बुरी)** कहलाती है|

4. **डी होमिनी (De homine)-1659 ई-**

5. **एलिमेंट्स ऑफ लॉ (Elements of law) 1650 ई.-**

- इसमें **विधि की व्याख्या तथा विधि के प्रकारों** का वर्णन है|
- यह पुस्तक **केप्लर के 'ग्रहों की गति संबंधी नियमों व गैलीलियो के 'गिरती हुई वस्तु के नियम'** से प्रभावित है|

6. **लेवियाथन (Leviathan) 1651 ई-**

- इसमें **निरंकुश राजतंत्र** का समर्थन किया है| इस ग्रंथ को चार भागों में बांटा गया है-
    1. **प्रथम भाग- Of Man** (प्राकृतिक अवस्था का वर्णन)
    2. **द्वितीय भाग- Of Commonwealth** (राज्य की उत्पत्ति व संप्रभुता का वर्णन)
    3. **तृतीय भाग- Of A Christian Commonwealth** (धर्म (चर्च) और राज्य के मध्य संबंधो को स्पष्ट किया गया है|)
    4. **चतुर्थ भाग- Of the Kingdom of Darkness** (कैथोलिक चर्च की आलोचना की गई है|)